IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 4.819
Volume 7, Issue 1, July 2019

शहरी विकास में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की भूमिका

डॉ दिनेश कुमार
असिस्टेंट प्रोफेसर- भौतिक विज्ञान
राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय फतेहाबाद,आगरा

सारांश

भारत का शहरी परिदृश्य तेजी से विकसित हो रहा है, जिसमें छोटे शहर और शहरी बाहरी क्षेत्र इस परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। जैसे-जैसे ये क्षेत्र कृषि से गैर-कृषि आर्थिक गतिविधियों की ओर अग्रसर हो रहे हैं, उन्हें खंडित शहरी नियोजन, अप्रचलित बुनियादी ढांचा और कमजोर शासन जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। एक सुदृढ़ नियोजन ढांचे के अभाव में, इन क्षेत्रों में अनियंत्रित शहरी फैलाव और पर्यावरण क्षरण जैसी समस्याएं उत्पन्न होने का खतरा है। सतत विकास सुनिश्चित करने के लिए, भारत को स्थानिक नियोजन, पारिस्थितिक संरक्षण और क्षेत्रीय समन्वय पर ध्यान केंद्रित करते हुए एकीकृत, जन-केंद्रित शहरी नियोजन को अपनाना होगा।

प्रमुख शब्द: प्रौद्योगिकी, विकास, मूलतः, आर्थिक विकास।